खण्ड 'ख'

4. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6+6=12**

(क) हम जानते हैं कि अभी कल जिसके सात पुरखों को हमने एक साँस में तारा था, उसी की कुर्सी पर बैठते ही जब आरती उतार रहे हैं, तो वह भी हमारे भक्तिभाव का मर्म जानता होगा । पर साथ ही हम दोनों भली-भाँति समझते हैं, यही जनतंत्र है, ऐसे ही सब चलता है, हमारी नजरों में एकनिष्ठ श्रद्धा कोई मूल्य नहीं रखती, क्षण-क्षण नया-नया रूप धारण करने वाली श्रद्धा ही वास्तविक श्रद्धा है ।

(ख) धूमधाम से शादी की । लड़की अपनी ससुराल से लौटी तो अन्नपूर्णा का भोज भी हुआ । शाम को पिता जी ने थैली देखी। समय की बात, उसमें नौ रुपए थे । छह का ऋण उतार दिया, आगे बचे तीन । माँ से बोले, 'मेरी लड़की के सब काम हो गए कि नहीं' ? फिर भी बचे रहे वे ही तीन ! तुम लोग झट विश्वास छोड़ बैठते हो । मैं कहता न था कि ठाकुर की भुजा बड़ी लम्बी है ।

Subject Code—53914

B. A. EXAMINATION

(Reappear) (Batch 2017)

(Sixth Semester)

HINDI (Elective)

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks :* 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड 'क'

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6+6=12**

(क) 'राजनीतिक स्थिति अब तो सदा ऐसी ही रहेगी महंत जी ! शेख खाँ आये चाहे चीता खाँ । वस्तुतः धर्म धर्म से नहीं लड़ रहा है, यह बात अब सिद्ध है नहीं तो पठान भला मुगलों से लड़ते ? राम जी कालधधि मथकर मानव मन का माखन निकाल रहे हैं ।''

(ख) भीतर से उडके हुए द्वार खुले । शुभ्र वर्ण की तन्वंगी सामने थी । तेजयुक्त ललाट, पतले होंठ, नाक और ठोड़ी नुकीली तथा आँखों में दर्प भरी चमक थी। उसने एक बार तुलसीदास की ओर देखा-चार आँखें अनायास ही मिलीं । तुलसी के हृदय में मचती हुई हलचल दृष्टि मिलते ही थम गई । एकाएक उनके भीतर-बाहर सन्नाटा छा गया । उन्हें लगा कि वे अब अपनी संपत्ति नहीं रहे । आँखें नीची हो गईं ।

(ग) नर की छाती पर नारी का रखा हुआ मुख नर का पौरुष बन गया । तुलसीदास शरणागत प्रतिपादक समर्थ स्वामी की तरह बड़े भाव से उस सौन्दर्य पर अपनी जान छिड़कने लगे । उसे कसकर कलेजे से चिपका लिया और उसके गाल पर हाथ फेरते-फेरते स्वयं उनकी आँखें भी प्रिया की न थमने वाली हिचकियों से उमड़ पड़ीं । वनक्रीड़ा का सहज उल्लास दोनों के लिए समाप्त हो चुका था ।

(घ) ''स्त्री और पुरुष में यही तो अन्तर होता है । नारी भले ही कामवश माता क्यों न बने किन्तु माता बनकर वह एक जगह निष्काम भी हो जाती है और पुरुष पिता बनकर भी दायित्व-बोध भली

प्रकार से अनुभव नहीं करता । सच पूछो तो वह किसी के प्रति अपना दायित्व अनुभव नहीं करता । वह निरा चाम का लोभी है, जीव में रमे राम का नहीं ।''

2. रत्नावली की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । **7**

अथवा

'मानस का हंस' उपन्यास के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

3. निम्नलिखित लघूत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का लगभग **200** शब्दों में उत्तर दीजिए : **3+3**

(क) 'मानस का हंस' में चित्रित राजनीतिक वातावरण पर टिप्पणी कीजिए ।

(ख) नरहरिदास की चारित्रिक विशेषताओं पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) दीनबंधु पाठक की चारित्रिक विशेषताओं पर टिप्पणी कीजिए ।

(घ) 'मानस के हंस' उपन्यास की पात्र योजना पर प्रकाश डालिए ।

(ग) पढ़ने, उसे सबसे पहले समझने, उस व्यवहार के समय स्मरण रखने, पुस्तक में एक भी धब्बा न लगाने, स्लेट को चमचमाती रखने और अपने छोटे से छोटे काम का उत्तरदायित्व बड़ी गंभीरता से निभाने में उसके समान कोई चतुर न था । इसी से कभी-कभी मन चाहता था कि उसकी माँ से उसे माँग ले जाऊँ और अपने पास रखकर उसके विकास की उचित व्यवस्था कर दूँ परन्तु उस उपेक्षिता, पर मानिनी विधवा का यही एक सहारा था ।

(घ) खिड़की के सामने पुराना, चिर-परिचित देवदार का वृक्ष था, जिसकी नंगी शाखाओं पर रूई के मोटे-मोटे गालों सी बर्फ चिपक गई थी । लगता था, जैसे वह 'सांता क्लॉज' को एक रात में ही जिसके बाल सन से सफेद हो गए हैं । टेलीग्राफ के तार बर्फ की परतों से लिपटकर मोटी सफेद रस्सियों पर बर्फ के 'आइसिकल' फर में लिपटी सफेद गिलहरियों से नीचे लटक अतिथे ।

5. 'अशोक के फूल' का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए । **7**

अथवा

'मेरे पिता जी' संस्मरण के आधार पर पिताजी के चरित्र की प्रमुख विशेषताएँ बताइए ।

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** का लगभग **200** शब्दों में उत्तर दीजिए : **3+3**

(क) घीसा की अद्‌भुत गुरुदक्षिणा क्या थी ?

(ख) क्या अशोक वृक्ष को प्राचीन वृक्ष कहा जा सकता है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'अस्ति की पुकार हिमालय' निबंध के संदेश पर टिप्पणी कीजिए ।

(घ) भोलाराम कौन था ? उसका जीव यमलोक क्यों नहीं पहुँचा था ?

खण्ड 'ग'

7. खण्ड काव्य का स्वरूप निर्धारित करते हुए इसके लक्षणों पर प्रकाश डालिए । **10**

अथवा

अलंकार से क्या अभिप्राय है ? इसके प्रकार व भेदों पर प्रकाश डालिए ।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** का लगभग **200** शब्दों में उत्तर दीजिए : **5×2=10**

(क) रस को परिभाषित कीजिए तथा इसके भेदों पर प्रकाश डालिए ।

(ख) काव्यप्रयोजन पर प्रकाश डालिए ।

(ग) महाकाव्य का अर्थ बताते हुए इसकी परिभाषा दीजिए ।

(घ) दोहा छन्द के लक्षण व उदाहरण दीजिए ।

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **10×1=10**

(i) तुलसीदास के पिता का क्या नाम था ?

(ii) 'मानस का हंस' किस भाषा में रचित है ?

(iii) मानस किसका प्रतीक है ?

(iv) महादेवी वर्मा को उनकी किस रचना पर ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ ?

(v) पिताजी का स्वभाव कैसा था ?

(vi) मोहन राकेश की एक रचना का नाम लिखिए।

(vii) शृंगार रस का स्थायी भाव क्या है ?

(viii) अलंकार कितने प्रकार के होते हैं ?

(ix) काव्य का शरीर किसे कहा गया है ?

(x) महादेवी वर्मा का जन्म कब हुआ ?